भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. *37

सोमवार, 24 जून, 2019/3 आषाढ़, 1941 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटकों को 'केलवा बीच' की ओर आकर्षित करने की नीति

*37. श्री राजेन्द्र धेड्या गावितः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का महाराष्ट्र के पालघर में विदेशी तथा स्वदेशी पर्यटकों को 'केलवा बीच' की ओर आकर्षित करने के लिए कोई नीति/ कार्यक्रम तैयार करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यह नीति/कार्यक्रम कब तक कार्यान्वित की जाएगी?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ग) : एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है ।

******

पर्यटकों को 'केलवा बीच' की ओर आकर्षित करने की नीति के संबंध में दिनांक 24.06.2019 के लोक सभा मौखिक प्रश्न सं. *37 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है और अपने चालू कार्यकलापों के एक भाग के रूप में महाराष्ट्र में समुद्र तटों सहित देश के विभिन्न राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में विविध पर्यटन गंतव्यों तथा उत्पादों के संवर्धन के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड लाइन के अतर्गत घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑनलाइन मीडिया अभियान चलाता है । इसके अलावा, भारत तथा विदेशों में स्थित भारत पर्यटन कार्यालय सूचनाओं प्रचार तथा देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों को दर्शाने के उद्देश्य से विभिन्न संवर्धनात्मक गतिविधियां चलाते हैं । मंत्रालय की वेबसाइट तथा सोशल मीडिया एकाउंट के माध्यम से भी संवर्धन किए जाते हैं।

पर्यटन मंत्रालय अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत देश में थीमेटिक पर्यटन परिपथों के विकास के लिए राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों / केन्द्रीय अभिकरणों को केन्द्रीय वित्तीय सहायता प्रदान करता है। योजना के अंतर्गत विकास हेतु पहचाने गए पंद्रह थीमेटिक परिपथों में से एक तटवर्ती परिपथ है ।

तटरेखा वाले सभी राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र तटवर्ती परिपथ थीम के अंतर्गत शामिल है। योजना के अंतर्गत विकास हेतु परियोजनाएं राज्य सरकारों / संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से पहचानी जाती है तथा निधियों की उपलब्धता, संगत विस्तृत परियोजना रिपोर्टों के अनुपालन तथा पहले से जारी निधियों के उपयोग की शर्त पर स्वीकृत की जाती है ।

हालांकि, पालघर, महाराष्ट्र में ''केलवा बीच'' के लिए राज्य सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है , पर्यटन मंत्रालय ने महाराष्ट्र में वर्ष 2015-16 के लिए 82.17 करोड़ रूपए की एक परियोजना सिंधुदुर्ग तटवर्ती परिपथ (शिरोधा बीच, सागरेश्वर, तारकरली, विजयदुर्ग (बीच एंड क्रीक), देवगढ़ (किला एवं बीच), मितभव, टोंडावली, मोसेमद तथा निवाती किला) स्वीकृत की है।

****